# 6 वीं आर्थिक गणना प्रारंभ हो चुकी है

सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय, राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र के सरकारों के आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय के साथ मिलकर 6वीं आर्थिक गणना आयोजित करा रहा है।

इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण अंग होना आप सभी के लिए एक अत्यन्त गर्व की बात है। आर्थिक गणना एक विशाल सांख्यिकी अभियान है, जो विभिन्न पैरामीटरों के आधार पर पूरे देश का आर्थिक आंकलन तैयार करने में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आर्थिक गणना का मुख्य उद्देश्य योजना बनाने और उद्यमों के बारे में विस्तृत जानकारी एकत्र करने के वास्ते अनुवर्ती सर्वेक्षणों के लिए क्रियाकलापों के अनुसार उद्यमों की संख्या तथा मालिकाना हक स्वरूप तथा सामाजिक समूह जैसे बुनियादी जानकारी प्रतिष्ठानों व उद्यमीय ईकाई की जानकारी उपलब्ध कराना है। ये देश की भौगोलिक सीमाओं में मौजूद प्रतिष्ठानों उद्यमों ईकाईयों की शासकीय गणना है, जो आर्थिक कार्यों में लगी है। सरकार देश में अपनी बृहद एवं सूक्ष्म स्तरीय नीति औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रों के नियोजन में तथा देश के विकास के लिए सही नीति बनाने में इस सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग करती है।

6वीं आर्थिक गणना से प्राप्त डाटाबेस योजनाकारों और नीति निर्माताओं के लिए उपयोगी होगा। इसी तारतम्य में जिला डिण्डौरी में आर्थिक गणना का कार्यक्रम मैदानी कार्य 1 जून से प्रारम्भ होकर 15 जून तक चलेगा जिसमें कुशल, प्रशिक्षित, प्रगणक एवं पर्यवेक्षक आपके घर/प्रतिष्ठान/उद्यमीय ईकाई के पहचान कर आपके उद्यमों/व्यवसायों एवं आर्थिक क्रियाकलापों की जानकारी प्राप्त करेंगे। आपके द्वारा दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रहेगी।

अतः प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जानकारी देने हेतु जिला योजना एवं सांख्यिकी की ओर से आपके सहयोग की अपील की जाती है।

**सौजन्य से:–जिला योजना एवं सांख्यिकी, कलेक्टर कार्यालय डिण्डौरी**

Sun.Din-9425165610